छबडा बिजलीघर की 250 मेगावाट क्षमता की नवनिर्मित दूसरी इकाई से उत्पादन शुरु
प्रतिदिन 55 लाख यूनिट बिजली मिलेगी

निगम द्वारा बारां जिले के छबडा तहसील के ग्राम चौकी मोतीपुरा में स्थापित की जा रही छबडा सुपर थर्मल पॉवर परियोजना की दूसरी इकाई मंगलवार दिनांक 4 मई 2010 को प्रातः 3 बज कर 18 मिनट पर 250 मेगावाट की पूर्ण क्षमता पर कोयला ईधन का उपयोग करते हुए सिन्क्रोनाइज्ड कर ग्रिड से जोड दी गई है।

ऊर्जा मंत्री डा. जितेन्द्र सिंह ने विद्युत उत्पादन निगम, छबडा परियोजना, भेल, आई एल कोटा, पुंज लॉयड तथा अन्य एजेन्सियों के अभियंताओ और कर्मियों को साधुवाद देते हुए कहा कि उन्होनें इस कठिन और चुनौतिपूर्ण लक्ष्य को अपनी अहर्निश कडी मेहनत से सफलतापूर्वक अर्जित कर लिया।

इस इकाई से राज्य को प्रतिदिन लगभग 55 लाख यूनिट बिजली उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि विद्युत उत्पादन निगम द्वारा सवा वर्ष की अवधि में सूरतगढ की 250 मेगावाट की छठी, कोटा की 195 मेगावाट की सातवीं व छबडा की 250–250 मेगावाट की पइली व दूसरी इकाई चालू की गई है। इस प्रकार इस अल्पावधि में कुल 945 मेगावाट की नई क्षमता स्थापित की गई है।

निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक डा. एस.के. कल्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा स्वीकृत की गई 6 सुपर क्रिटिकल ताप बिजली इकाइयों में से छबडा परियोजना के दूसरे चरण में 2 इकाइयां लगाई जायेगी। प्रत्येक इकाई की क्षमता 660 मेगावाट है। उन इकाइयों के निर्माण से सम्बन्धित आरम्भिक कार्य हाथ में ले लिये गये है तथा 2013–14 में चालू करने का लक्ष्य है। इन इकाइयों के चालू होने के बाद छबडा ताप बिजलीघर की कुल क्षमता 2320 मेगावाट हो जायेगी।

डा. कल्ला ने बताया कि प्रथम चरण में दोनो इकाइयों, मुख्य प्लांट, बायलर तथा बायलर टरबाइन व जनरेटर की डिजाइनिंग सप्लाई व इरेक्शन का कार्य भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स ने किया है तथा स्टेशन कन्ट्रोल का कार्य इन्स्ट्रुमेन्टेंशन लिमिटेड, कोटा और परियोजना के शेष कार्य पुंज लॉयड लिमिटेड द्वारा किए गए। प्रथम चरण में स्थापित की जा रही दोनो इकाइयों की अनुमानित लागत 2350 करोड रुपये है।

परियोजना के बारे में डा. कल्ला ने बताया कि इसके प्रथम चरण के दूसरे फेज में भी 250–250 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयां स्थापित की जा रही है जिनका निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इसके मुख्य उपकरणों के लिए सप्लाई और इरेक्शन का कार्य मैसर्स भेल को तथा बैलेन्स आफ प्लांट कार्य का आदेश मैसर्स इन्ड्योर लिमिटेड को दिया जा चुका है। तीसरी इकाई को अगस्त 2011 में तथा चौथी इकाई को अक्टूबर 2011 में चालू करने का लक्ष्य है।

नवनिर्मित दूसरी इकाई को सिन्क्रोनाइज करने के अवसर पर निगम के निदेशक श्री पी.एन. सिंघल, मुख्य अभियंता (सीटीपीपी) श्री जे.पी.चतुर्वेदी, मुख्य अभियंता(सिविल) श्री एस.के.वरियानी, उपमुख्य अभियंता श्री के.पी.शर्मा, भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स के महाप्रबन्धक श्री जितेन्द्र कुमार, अतिरिक्त महा प्रबन्धक श्री ए.के.सिन्हा व श्री अरूण कुमार तथा इन्स्ट्रुमेन्टेंशन के निदेशक श्री के.पी.जैन और परियोजना से जुडे अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

–